Literacy for a Billion

Movie: Mohra
Year: 1994

Song: Tu cheez badi hai mast
Lyricist: Anand Bakshi

पा नि सा...

तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
नहीं तुझको कोई होश होश
नहीं तुझको कोई होश होश
उसपर जोबन का जोश जोश
नहीं तेरा
नहीं तेरा कोई दोष दोष
मदहोश है तू
हर वक़्त वक़्त

तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त

आशिक़ है तेरा नाम नाम
आशिक़ है तेरा नाम नाम
दिल लेना देना काम काम
मेरी बाँहें
मेरी बाँहें मत थाम थाम
बदनाम है तू
बद मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त

तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
नि सा पा नि...

सा नि धा पा
सा नि धा पा
सा नि धा पा

बोल ज़रा तू
जाने महबूबी
मुझमें ऐसी
क्या है ख़ूबी

बोल ज़रा तू
जाने महबूबी
मुझमें ऐसी
क्या है ख़ूबी

तू इक रेशम की डोर डोर
तू इक रेशम की डोर डोर
तेरी चाल पे आशिक़ मोर मोर
तेरी ज़ुल्फ़ घनी
तेरी ज़ुल्फ़ घनी चितचोर चोर
घनघोर घटा
बद मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त

तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त

ये दिल तेरी आँखों में डूबा
बन जा मेरी तू महबूबा
ये दिल तेरी आँखों में डूबा
बन जा मेरी तू महबूबा
मत तीर नज़र के मार मार
मत तीर नज़र के मार मार
ये चोट लगेगी आर पार
आसान
आसान समझ मत यार यार
ये प्यार बड़ा है सक्त सक्त

तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
नहीं तुझको कोई होश होश
नहीं तुझको कोई होश होश
उसपर जोबन का जोश जोश
नहीं तेरा कोई दोष दोष
मदहोश है तू
हर वक़्त वक़्त

तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त

आशिक़ है तेरा नाम नाम
आशिक़ है तेरा नाम नाम
दिल लेना देना काम काम
मेरी बाँहें मत थाम थाम
बदनाम है तू
बद मस्त मस्त

तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त मस्त
तू चीज़ बड़ी है मस्त

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.